सनातन संस्कृति की एकता का सूत्र ब्रह्माकुमारीज़ में दिखाई देता: साध्वी

नवापारा-राजिम(म.प्र.)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'श्रेष्ठाचारी पवित्र समाज की स्थापना में अध्यात्म की भूमिका' विषय पर संत सम्मेलन का आयोजन किया गया। ओम शान्ति कॉलोनी ब्रह्माकुमारीज़ आश्रम पर आयोजित संत सम्मेलन में देश भर से पधारे साधु-संतों ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ शिव ध्वज फहराने के साथ हुआ।

साध्वी प्रज्ञा भारती ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति का एक सूत्र ब्रह्माकुमारी आश्रम में सुनाई देता है- वह है ओम शान्ति। हम सब शांति चाहते हैं, पर शांति आये कैसे? भारत ही शांति स्थापन करता है, तभी वह विश्वगुरू कहलाता है। गंगा के तट पर प्रयागराज में एकता दर्शन करवाकर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा ये दिखाया गया कि शिव हम सबके बाप हैं। संत सनातन का संदेश दे रहे हैं, शांति का संदेश दे रहे हैं। सब धर्म गुरू भारत की ही शरण में आयेंगे। ब्र.कु. भारती,कटनी ने कहा कि हम सभी लोग घरों में चाकू का उपयोग करते हैं। हैंडल है तो चाकू का इस्तेमाल कर सकते हैं, नहीं तो हाथ कट जाएगा। तो आगे का धारदार हिस्सा है चाकू और अध्यात्म है हैंडल। समाज को श्रेष्ठ बनाने के लिए आध्यात्मिकता आवश्यक है। इसके लिए सन्यास की ज़रूरत नहीं है। जीवन को श्रेष्ठ बनाने के लिए संस्कारों की ज़रूरत है। उन्होंने आगे बताया कि इस समय भगवान धरती पर आते हैं, सत्य ज्ञान देते हैं, आत्माओं को शक्ति देते हैं और अधर्म का विनाश करते हैं। ये समय चल रहा है जिसका यादगार शिवरात्रि के रूप में हम सब मनाते हैं। महामण्डलेश्वर प्रेमानन्द महाराज ने कहा जिन्होंने कुंभ का लाभ नहीं लिया वे राजिम कुंभ में डुबकी लगाएं। कुलेश्वर महादेव जन्म-जन्म के पाप नष्ट कर देंगे। उन्होंने ये भी कहा कि मोबाइल सर से उतार कर चौराहे पर छोड़ आओ तो जीवन में शांति मिलेगी। चंद्रशेखर महाराज ने कहा कि भारत न बंटा है, न बंटेगा, न कोई बांट सकता है। इस ब्रह्माकुमारी संस्था के माध्यम से हम भी समझने की कोशिश कर रहे हैं कि कुछ न कुछ ज्ञान का अंकुर यहां से जाग रहा है। त्रिवेदानंद जी ने कहा कि साधना कोई भक्ति के रूप में, कोई योग के रूप में तो कोई ध्यान के रूप में करता है। जो परमात्मा को पाने के मार्ग में चलता है वही संत है। इस जन्म में आत्मा-परमात्मा का मिलन ही हमारे लिए महत्वपूर्ण है। धार्मिक प्रभाग के ज़ोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. नारायण ने कहा कि जैसी हमारी चेतना होती है वैसा हमारा चित्त होता है। जब तक हमारे अंदर अध्यात्म होगा, तब तक हमारी चेतना का प्रकाश विश्व में फैलेगा। राजनांदगांव की सुमिरन माई ने भी अपने विचार रखे। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पुष्पा ने सभी संतों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन बिलासपुर की ब्र.कु. राखी ने किया।

जिसने स्वयंभू शिव को जान लिया उन्हें और कुछ करने की ज़रूरत नहीं

कटनी से परमानंद महाराज ने कहा कि सबको प्रेम चाहिए, पशु-पक्षियों को, प्राणियों को भी प्रेम चाहिए। लेकिन आज हम घमंड में डूबकर सबको दुःख पहुंचा रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था में कथनी और करनी एक है। ये जो कहते हैं वही करते भी हैं। स्वयंभू शिव को जो जान ले उन्हें और कुछ करने की ज़रूरत नहीं है। हमारी बहनों के मन में एक शिव बाबा है, इसलिए यह संस्था 140 देशों में पहुँच गई। हम साधु-संतों को भी एक होना पड़ेगा। हमारी एक ही पुस्तक है- गीता और गीता का भगवान है शिव। जब तक हम बंटे हैं तब तक हममें प्रेम नहीं आयेगा। दादा लेखराज ने प्रेम की ऐसी गंगा बहाई जिसमें पचास हज़ार भाई-बहनें निकले। उन्होंने फिर विश्व में ज्ञान की गंगा बहाई।

सुखी-सम्पन्न होने का मतलब धन से नहीं परमात्म ज्ञान से है

अनन्तानन्द महाराज ने कहा संतों का ब्रह्माकुमारीज़ आश्रम में जाना ही समागम है। अध्यात्म से जुड़ने का संदेश ब्रह्माकुमारियों ने दिया। विकारों और दुःखों से छूटने का रास्ता है ओम शान्ति। सुखी-सम्पन्न होने का मतलब धन से नहीं परमात्मा ज्ञान से है।

संगठन दे रहा सनातन संस्कृति का संदेश

जोधपुर से पधारे ज्ञानस्वरूपानंद अत्रिय महाराज ने कहा कि ब्रह्मा बाबा द्वारा विश्व में जो संगठन खड़ा किया गया है, वे सन्देश दे रहे हैं कि हम भारतीय हैं, हम सनातनी हैं, हम एक हैं। हमारे वस्त्र व तिलक भेद हो सकते हैं लेकिन आध्यात्मिक चेतना, आध्यात्मिक शक्ति एक है। हमारे यहां धरती, नदियों को माता कहा जाता है। जब तक यह संस्कृति रहेगी तब तक भारत की चेतना रहेगी।

साधू-संतों का एक जगह एकत्रित होना परमात्म शक्ति के बिना असंभव

अयोध्या से पधारे जालेश्वर महाराज ने कहा कि हम सबका परम सौभाग्य है कि ब्रह्माकुमारी आश्रम में हम सब अपने ही परिवारजनों के बीच उपस्थित हैं। हमारी शांति हमारे भीतर ही है, हम बाहर ढूंढते हैं, ये अच्छी बात नहीं। किसी की ताकत नहीं कि इतने सारे महापुरुषों को, साधु-संतों को एक साथ अपने घर बुला लें। जहाँ संत स्वयं आ जाएं तो समझना चाहिए कि परमात्मा की कृपा हो गई।

हर साल की तरह बजट सत्र के पहले दिन पूरी विधानसभा पहुंची शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर

रायपुर-छ.ग.। हर साल की तरह इस साल भी बजट के पहले दिन राज्यपाल के अभिभाषण के बाद पूरी विधानसभा जिसमें पक्ष और विपक्ष के सारे सदस्य शामिल थे। ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में शुद्ध और सात्विक भोजन एकसाथ किया। इस कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ के राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग द्वारा किया गया था।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आज प्रदेश की युवा पीढ़ी नशे का शिकार होकर भटक रही है, ऐसे समय पर आप लोगों ने युवा पीढ़ी को सही राह पर लाने का बीड़ा उठाया है। यह राज्य के लिए गौरव की बात है। नशामुक्ति अभियान की शुरूआत आप लोग छत्तीसगढ़ राज्य से कर रहे हैं। इस प्रदेश में प्रतिवर्ष छः हजार लोग दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं जिसमें से अधिकांश नशाखोरी करने वाले युवक ही होते हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह राष्ट्रीय नशामुक्ति अभियान की शुरूआत छत्तीसगढ़ से करने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि नशामुक्ति अभियान की शुरूआत के लिए यह अच्छा अवसर है और इससे नशामुक्ति की दिशा में आगे बढ़ेंगे। हमारे सारे विधायकों का सहयोग नशामुक्ति के कार्य में आपको मिलेगा। माउंट आबू से आए मेडिकल कुशल प्रशासन की तकनीक सीखने के लिए माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया। सभी का आभार प्रदर्शन क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के साथ नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत, उप-मुख्यमंत्री अरूण साव,

- मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष ने नशामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का शुभारंभ किया...
- माउंट आबू से अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. मृत्युंजय भाई और ब्र.कु. डॉ. बनारसी भी पहुंचे...
- मुख्यमंत्री सहित पूरी विधानसभा, नेताप्रतिपक्ष उप मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायकगण शामिल हुए

विंग के सचिव डॉ. बनारसी ने बताया कि भारत सरकार के नारकोटिक्स कन्ट्रोल विभाग के साथ एम.ओ.यू. के अनुसार ब्रह्माकुमारीज़ संस्था गांव व शहर सभी जगह के लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रही है। ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. मृत्युंजय ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री विधानसभा अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष सहित सभी को पुनः एक बार राजयोग द्वारा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरम लाल कौशिक एवं गौरीशंकर अग्रवाल, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े, प्रदेश भाजपा किरण सिंह देव सहित बड़ी संख्या में विधायक गण उपस्थित थे।

साधन और सुविधा के अति-प्रयोग से शारीरिक और मानसिक शक्तियों में बेहद कमी आई: ब्र.कु. शिवानी

पुणे-जगदम्बा भवन(महा.)। ब्रह्माकुमारीज़ के पुणे, पिसोली स्थित जगदम्बा भवन में मीरा सोसायटी सबज़ोन संचालिका ब्रह्माकुमारी सुनंदा दीदी के सानिध्य में जगदम्बा भवन के जनक स्टेडियम में एक भव्य कार्यक्रम में आध्यात्मिक अंतर्राष्ट्रीय वक्ता ब्र.कु. शिवानी दीदी ने "बदलते युग की नई मानसिकता" विषय पर मार्गदर्शन किया।

ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में साधनों और सुविधाओं ने मानव जीवन को आरामदायक और सुखद बना दिया है। लेकिन साधनों के अति-प्रयोग से शारीरिक और मानसिक शक्तियों में बेहद कमी आई है। साधनों के ऊपर अधीनता ज़्यादा बढ़ गई है। नई पीढ़ी के पास अब अपनी पसंद का खाना, पहनना और उपयोग करने का अवसर है, लेकिन इससे यह मानसिकता बन गई है कि सब कुछ उनकी पसंद के अनुसार होना चाहिए। जीवन में जब कठिन परिस्थितियाँ आती हैं तो उनसे निपटने की क्षमता कम हो गई। कोविड के बाद चिंता, भय और अवसाद बढ़ने से भावनात्मक प्रदूषण बढ़ा। यह स्थिति अगले कुछ वर्षों में बहुत गंभीर हो सकती है। मोबाइल का गुलाम बनने के बजाए आवश्यकता अनुसार उपयोग करें। आज हर व्यक्ति अपने फोन का गुलाम है। जब तक यह गुलामी समाप्त नहीं होगी तब तक स्वराज कैसे आएगा? हम कहते हैं कि फोन की लत से छुटकारा पाना मुश्किल है, लेकिन नई पीढ़ी कहती है कि फोन की लत से छुटकारा पाना असंभव है। नई पीढ़ी तकनीक के कारण बुद्धिमान तो है, लेकिन समझ और विवेक कम होता जा रहा है। इसके लिए अभिभावकों को स्वयं भी फोन की लत छोड़ने का प्रयास करना होगा और बच्चों को छुड़ाने की भी कोशिश करानी चाहिए। तब घर में सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण होगा। वह ऊर्जा बच्चों को फोन की लत से मुक्त होने की शक्ति देगी। कार्यक्रम में मुनीश कुमार गुप्ता,प्रधान आयकर आयुक्त, माधव जगताप,उप आयुक्त,पुणे, एकनाथ पवार,डीन-ससून हॉस्पिटल, ब्रिगेडियर सतीश,कमांडेंट-आर्टिफिशियल लिंब सेंटर, डॉ. संजय चोरड़िया,संस्थापक,अध्यक्ष-सूर्यदत्ता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स, रतनजी किराड़,अध्यक्ष-मर्चेंट एसोसिएशन,पुणे, सी.ए. राजेश अग्रवाल, चार्टर्ड अकाउंटेंट कौंसिल मेंबर, सी.ए. सचिन मिनियर, अध्यक्ष-आई.सी.ए.आई. पुणे आदि सहित कार्यक्रम का लाभ लगभग 3500 से भी अधिक शहर के गणमान्य लोगों ने लिया। कुशल संचालन ब्र.कु. सुलभा ने किया।

इस मौके पर 'डिवाइन गेम्स और माइंड स्पा' का भी ब्र.कु. शिवानी ने किया उद्घाटन

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th March, 2025
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org